‘सुपर 30’ के नायक आनंद ने साझा किये सफलता के मंत्र

- इंजीनियरिंग करियर संबंधी प्रदान किया गया मार्गदर्शन

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। फिल्म सुपर 30 वाले प्रसिद्ध गणितज्ञ और शिक्षाविद् पद्मश्री आनंद कुमार ने युवाओं को प्रोत्साहित किया तथा उनके करियर और जीवन से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दिये। उन्होंने न केवल युवाओं को प्रेरित किया, बल्कि इंजीनियरिंग करियर पथों को आगे बढ़ाने और जीवन की चुनौतियों का समाधान करने के लिए अमूल्य मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

देहरादून स्थित मल्टीडिसप्लनेरी विश्वविद्यालय यूपीईएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम ने भावी युवा इंजीनियरों को आनंद कुमार के साथ सीधे बातचीत का अवसर प्रदान किया। उन्होंने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में

सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रेरणा के साथ उन्हें सशक्त बनाते हुए आगे के रोडमैप पर प्रकाश डाला।

छात्रों ने यूपीईएस के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र कुलदीप पाराशर जैसे युवा उद्यमियों के साथ भी बातचीत की, जिन्होंने 2021 में पेंशनबॉक्स की स्थापना की। पेंशनबॉक्स भारत का अग्रणी डिजिटल पेंशन प्लेटफॉर्म है, जो व्यक्तियों की सेवानिवृत्ति की उम्र, स्थान की परवाह किए बिना, विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के लिए पेंशन योजनाओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बी. टेक एप्लाइड पेट्रोलियम इंजीनियरिंग स्नातक कुलदीप ने यूपीईएस द्वारा स्थापित एक ऊष्मायन कार्यक्रम रनवे द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को भी सराहा।

200 से अधिक स्टार्टअप के साथ यूसीआईई विभिन्न उद्योगों में नवीन समाधानों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण शक्ति साबित हुआ है। कुलदीप पाराशर की उद्यमशीलता यात्रा यूपीईएस में विकसित इनोवेशन की भावना का प्रमाण है।

सिर्फ जेईई स्कोर से सफलता नहीं: आनंद

आनंद कुमार ने युवा महत्वाकांक्षी इंजीनियरों के लिए उपलब्ध विभिन्न कैरियर पथों पर भी प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि सफलता केवल जेईई स्कोर से निर्धारित नहीं होती है। उन्होंने उन्हें वैकल्पिक रास्ते तलाशने और पूर्ण जीवन और सफल करियर बनाने की दिशा में अपना रास्ता बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तियों के उदाहरण दिखा, कुमार ने इंजीनियरिंग के इच्छुक उम्मीदवारों को अपने जुनून को अपनाने और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

यूपीईएस अपनाता है गहरी प्रतिबद्धता

यूपीईएस अपने मूल में जिज्ञासा को बढ़ावा देने और युवा दिमागों को लगातार विकसित हो रहे वैश्विक संदर्भ में सवाल करने, अन्वेषण करने और अनुकूलन करने के लिए सशक्त बनाने की गहरी प्रतिबद्धता अपनाता है। छात्र सशक्तिकरण की समग्र खोज में यूपीईएस ने सावधानीपूर्वक विविध कार्यक्रम तैयार किए हैं, जिनमें से छात्र की शैक्षिक, व्यक्तिगत और व्यावसायिक यात्रा के विभिन्न आयामों को संबोधित करने के लिए तैयार किया गया है। यूपीईएस शिक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की वकालत करता है, जो शिक्षार्थी के समग्र विकास और सफलता को सुनिश्चित करने के लिए विकास के सभी पहलुओं के महत्व को स्वीकार करता है।

निरंतर आगे बढ़ाएं सपने: दुबे

यूपीईएस के पूर्व छात्र सिद्धिविनायक दुबे ने भी जेईई अभ्यर्थी से लेकर माइक्रोसॉफ्ट में एक सफल सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने तक के अपने उल्लेखनीय परिवर्तन को साझा किया। विनायक की यात्रा ने भावी इंजीनियरों को अपने सपनों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इन इंटरैक्शन ने छात्रों को उद्यमिता और व्यावसायिक विकास के क्षेत्र में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे शैक्षणिक समुदाय के भीतर इनोवेशन और महत्वाकांक्षा की संस्कृति का पोषण हुआ।